32

उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण

32.1 कार्यरत औद्योगिक कामगारों के कौशलों के उन्नयन तथा उन्हें अद्यतन करने के लिए,एक उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना (एवीटीएस) 1977 से चालू है। यह योजना रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के तहत् 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों तथा 15 राज्य सरकारों के 16 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (औ.प्र.सं.) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। चुनिंदा कौशल क्षेत्रों में एक से 6 सप्ताह की अवधि के अल्पकालिक/ टेलर-मेड माडयूलर पाठ्यक्रमों को प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रस्तुत पाठ्यक्रमों का ब्यौरा रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय की वेबसाईट www.dget.nic.in पर उपलब्ध है।

32.2 रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के अंतर्गत 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में 92,350 से अधिक औद्योगिक कामगारों / तकनीशियनों ने प्रशिक्षण सुविधाओं का लाभ उठाया है। अप्रैल से दिसम्बर, 2003 तक 3216 कामगारों को प्रशिक्षित किया गया।उद्योग की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए उच्च कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं का व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य / संघ शासित प्रदेश सरकार के 30 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं का विस्तार किया गया है। हाई-टैक क्षेत्रों में प्रशिक्षण कामगारों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए चेन्नई,मुम्बई तथा कानपुर में स्थित उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में एन सी/ सी एन सी प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए गए।

विशिष्ट क्षेत्रों में औद्योगिक जनशक्ति हेतु उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण

32.3 एटीआई, ईपीआई, हैदराबाद इलैक्ट्रानिक्स एवं प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों को प्रस्तुत करके उद्योगों/ संगठनों की प्रशिक्षण आवश्यकता को पूरा करता है। पांच प्रमुख क्षेत्रों यथा, उपयोक्ता इलैक्ट्रनिक्स, चिकित्सा इलैक्ट्रानिक्स, प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उपभोक्ता इलैक्ट्रानिक्स, औद्योगिक इलैक्ट्रानिक्स तथा प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में उद्योगों तथा उत्तरी क्षेत्र के अन्य संगठनों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए देहरादून में द्वितीय एटीआई, ई पी आई की स्थापना की गई है। संस्थान उपभोक्ता इलैक्ट्रानिक्स तथा औद्योगिक इलैक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में अल्पकालिक, दीर्घकालिक एवं टेलर मेड पाठ्यक्रम प्रदान करता है। आरंभ से लेकर अब तक दो संस्थानों में कुल 1986

अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किए गए तथा अक्टूबर 2003 तक 23134 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया है। वर्ष 2003-04 के दौरान 132 पाठ्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके है तथा 1234 अभ्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

उच्च प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण योजना

32.4 नियन्त्रण प्रौद्योगिकी एवं स्वचलन के अनुप्रयोग के साथ इलैक्ट्रनिक्स, कम्प्यूटर तथ आधुनिक उत्पादन तकनीकों के अनुप्रयोग में उद्योग तथा घरेलू उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी उच्च कौशल के साथ प्रशिक्षित कार्मिकों के उत्पादन के उद्देश्य से उच्च-प्रौद्योगिकी योजना कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना में 10 राज्य सरकारों के तहत् 10 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशाल के प्रशासकीय नियन्त्रण के तहत् 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थान, एटीआई-ईपीआई हैदराबाद तथा एपेक्स उच्च प्रौद्योगिक संस्थान शामिल हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सृजित मूलभूत ढ़ाँचे के साथ, औद्योगिक कामगारों के लिए कम्प्यूटर सहायियत मसौदा (कैड), एनॉलाग एवं डिजीटल इलैक्ट्रानिक्स, पर्सनल कम्प्यूटर अनुरक्षण तथा औद्योगिक स्वचलन के उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अल्पकालिक माडयूलर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रति वर्ष 1000 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं। योजना के तहत् रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के फील्ड संस्थानों को सीएनसी वर्टिकल मशीनिंग सेन्टर (वीएमसी-एफएएनयूसी नियन्त्रण केमानड 500), सीटनसी होरीजोन्टल मशीनिंग सेन्टर (एचएमसीएफएएनयूसी नियन्त्रण के साथ 500) आटोकेड़/ मास्टर केम, प्रोग्रामेबल लोजिक नियन्त्रण (पीएलसी) तथा एमसीटर्न मिल सेन्टर जैसी उच्च प्रौद्योगिकी वाली मशीने प्रदान कराई गई हैं। संस्थान प्रति वर्ष 1500 प्रशिक्षुओं को सीएनसी वर्टिकल मशीनिंग सेन्टर पर उच्च प्रोग्रामिंग एवं आपरेशन (वीएमसी-500 एफएएनयूसी नियन्त्रण), सीएनसी होरीजोंटल मशीनिंग सेन्टर पर उच्च प्रोग्रामिंग एवं आपरेशन (एचएमसी 500 एस-एस आईएनयूएमईआर आई के नियन्त्रण), आटो केड 2000/ मैकेनिकल डेस्कटाप वर्सन 4.0, कम्प्यूटर सहायियत विनिर्माण (केम) मास्टर केम-वी 8 के साथ,पीएलसी आधारित हाइड्रोलिक्स एवं न्यूमेटिक मशीन यन्त्र, 3 डी ठोस मोडलिंग-(एमडीटी-वी 5, के साथ), पीएलसी-प्रौग्रामिंग एवं अनुप्रयोग आदि में अल्पकालिक प्रशिक्षण दे रहे हैं।